web: www.nyaysakshi.com | पृष्ठ-2 में पढ़ें संपादकीय-खेल-व्यापार-धर्म-खाना खजाना-राशिफल | पृष्ठ-3 में पढ़ें छत्तीसगढ़-प्रादेशिक

दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, मंगलवार 11 अप्रैल 2023 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-05, अंक- 192

कोरोना वायरस संक्रमण की संख्या बढ़कर हुई 35,199

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारत में एक दिन में कोरोना वायरस संक्रमण के 5,880 नए मामले आने के बाद देश में अभी तक संक्रमित हुए लोगों की संख्या बढक़र 4,47,62,496 हो गई है। वहीं उपचाराधीन मरीजों की संख्या बढक़र 35,199 पर पहुंच गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से सोमवार को सुबह आठ बजे जारी अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली तथा हिमाचल प्रदेश में चार-चार और गुजरात, जम्मू-कश्मीर, महाराष्ट्र तथा राजस्थान में एक-एक मरीज की मौत होने के बाद देश में संक्रमण से जान गंवाने वालों की संख्या बढक़र 5,30,979 हो गई। साथ ही, संक्रमण से मौत के आंकड़ों का पुन:मिलान करते हुए केरल ने वैश्विक महामारी से जान गंवाने वाले मरीजों की सूची में दो नाम और जोड़े हैं। अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, देश में अभी 35,199 लोगों का कोरोना वायरस संक्रमण का इलाज चल रहा है, जो कुल मामलों का 0.8 प्रतिशत है। मरीजों के ठीक होने की राष्ट्रीय दर 98.73 प्रतिशत है। देश में संक्रमण की दैनिक दर 6.91 प्रतिशत और साप्ताहिक दर 3.67 प्रतिशत है। अभी तक कुल 4,41,96,318 लोग संक्रमण मुक्त हो चुके हैं, जबकि कोविड-19 से मृत्यु दर 1.19 प्रतिशत है। स्वास्थ्य मंत्रालय की वेबसाइट के मुताबिक, भारत में राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान के तहत अभी तक कोविड-19 रोधी टीकों की 220.66 करोड़ खुराक लगाई जा चुकी हैं।गौरतलब है कि भारत में सात अगस्त 2020 को कोरोना वायरस संक्रमितों की संख्या 20 लाख, 23 अगस्त 2020 को 30 लाख और पांच सितंबर 2020 को 40 लाख से अधिक हो गई थी।

संक्रमण के कुल मामले 16 सितंबर 2020 को 50 लाख, 28 सितंबर 2020 को 60 लाख, 11 अक्टूबर 2020 को 70 लाख, 29 अक्टूबर 2020 को 80 लाख और 20 नवंबर को 90 लाख के पार चले गए थे। देश में 19 दिसंबर 2020 को ये मामले एक करोड़ से अधिक हो गए थे। चार मई 2021 को संक्रमितों की संख्या दो करोड़ और 23 जून 2021 को तीन करोड़ के पार पहुंच गई थी। पिछले साल 25 जनवरी को संक्रमण के कुल मामले चार करोड़ के पार चले गए थे।

कोरोना के लिए नई गाइड लाईन जारी

रायपुर (आरएनएस)। कोविड-19 के संक्रमण दर में वृद्धि को दृष्टिगत रखते हुए बचाव एवं रोकथाम के लिए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग छत्तीसगढ़ की ओर से दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं।

बता दें कि विगत कुछ दिनों से देश के अन्य राज्यों के साथ साथ छत्तीसगढ़ राज्य में भी कोरोना के संक्रमण दर में वृद्धि दर्ज की जा रही है। देश के कुछ राज्यों जैसे केरल (26.4%), महाराष्ट्र (21.7%), गुजरात (13.9%), कर्नाटक (8.8%) में संक्रमण दर अधिक है, परन्तु संक्रमण के कारण रोग की गंभीरता, अस्पताल में भर्ती होने की दर एवं मृत्यु दर कम है। जिसके चलते छत्तीसगढ़ राज्य में कोरोना संक्रमण दर में सतत वृद्धि को दृष्टिगत रखते हुए संक्रमण के प्रसार की रोकथाम एवं बचाव हेतु निम्नानुसार दिशा-निर्देश जारी किये गए हैं।

1. जिले अंतर्गत सर्दी, खांसी, जुकाम के लक्षण के प्रकरणों की सतत निगरानी किया जाए तथा ऐसे प्रत्येक प्रकरण की कोविड-19 हेतु जाँच किया जाए।

2. वर्तमान में कुछ जिलों में कोविड-19 जांच संख्या अत्यंत कम है, अत: जिले अंतर्गत कोविड- 19 जांच संख्या में वृद्धि किया जाये। प्रत्येक जिले में कम से कम प्रतिदिन 100 कोविड-19 जांच अवश्य किया जाये।

3. कोविड- 19 जांच हेतु यथा संभव विधि से ही किया जाये, जिससे की प्रत्येक धनात्मक प्रकरण की ड्खत्रस् जाँच किया जा सके।

4. कोविड- 19 जांच में धनात्मक आने वाले प्रत्येक प्रकरण की जांच हेतु संपल अनिवार्य रूप से भेजा जावे।

5. कोविड- 19 धनात्मक प्रकरणों के संपर्क व्यक्तियों की पहचान कर लक्षण वाले व्यक्तियों की कोविड- 19 जाच किया जावे।

6. कोविड- 19 प्रकरणों के उपचार हेतु अस्पतालों में बिस्तरों, ऑक्सीजन बिस्तर, आई सी यू बिस्तरों, वेंटिलेटर, मेडिकल ऑक्सीजन, दवाइयां इत्यादि की उपलब्धता सुनिश्चित किया जाये। 7. उपरोक्त तैयारियों हेतु दिनांक 10 एवं 11 अप्रैल 2023 को सभी जिलों में एक साथ आयोजित है।

जिसमे जिले अंतर्गत समस्त स्वास्थ्य संस्थाओं को भाग लिया जाना सुनिश्चित किया जाए।

8. कौविड़ 19 से बचाव हेतु आम जनता में कोविड अनुरूप व्यवहार का पालन करने हेतु निम्नानुसार प्रचार प्रसार किया जाये- -

A. सर्दी, खांसी, जुकाम एवं बुखार के लक्षण वाले व्यक्तियों को तत्काल कोविड- 19 जांच करायें।

B वृद्ध जनों एवं अन्य बीमारियों (जैसे- डायबिटीज, उच्च रक्तचाप, कैंसर, किडनी की बीमारियों इत्यादि) से ग्रषित एवं कम रोग प्रतिरोधक क्षमता वाले व्यक्तियों को भीड़-भाड़ वाले स्थानों में जाने से बचना चाहिए।

C. किसी भी व्यक्ति को भीड़-भाड़ वाले एवं कम हवादार वाले स्थानों में जाने की आवश्यकता हो, तो मास्क अवश्य लगाएं।

D. खांसते एवं छींकते समय रुमाल या टिश्यू पेपर से मुंह एवं नाक को ढँक लें।

सर्दी जुकाम वाले व्यक्तियों के संपर्क में आने से बचें।

E. व्यक्तिगत स्वक्षता का ध्यान रखे एवं समय समय पर हाँथ धोते रहें।

अत: कोविड-19 संक्रमण से बचाव एवं रोकथाम हेतु उपरोक्तानुसार कार्यवाही करते हुए अधो-हस्ताक्षरकर्ता को अवगत कराना सुनिश्चित करें।

महत्वपूर्ण एवं खास

चौपहिया वाहन दुर्घटनाग्रस्त, तीन बच्चों की मौत

नई टिहरी (आरएनएस)। जिले के प्रतापनगर ब्लॉक में रविवार को एक चौपहिया वाहन के दुर्घटनाग्रस्त होने से उसमें सवार तीन बच्चों की मौके पर ही मौत हो गयी। पुलिस ने बताया कि पुजारगांव-लवर्खा-डोडग-थापला मोटर मार्ग पर पुजारगांव के पास हुई दुर्घटना से पहले चालक विजेंद्र लाल वाहन से कूद गया, जिससे उसकी जान बच गई। लंबगांव के पुलिस थानाध्यक्ष महिपाल सिंह रावत ने बताया कि वाहन पुजार गांव जा रहा था और तभी वह अचानक अनियंत्रित होकर 100 मीटर खाई में जा गिरा। उन्होंने बताया कि हादसे के बाद 108 सेवा और राज्य आपदा प्रतिवादन बल (एसडीआरएफ) के दल मौके पर पहुंचे और उन्होंने बचाव एवं राहत अभियान चलाया। रावत ने बताया कि हादसे में तीन बच्चों की मौके पर ही मौत हो गयी जिनकी पहचान पुजार गांव के रहने वाले गौरव (11), शंकर (10) और अखिलेश (14) के रूप में हुई है।

रिश्वत कांड में आरोपित युवक सड़क पर जलता मिला, इलाज के दौरान मौत

उज्जैन (आरएनएस)। आगर रोड पर कोयला फाटक के समीप गत रात एक युवक जलता मिला। गंभीर हालात में उेस उपचार के लिए इंदौर रेफर किया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। झुलसने वाला व्यक्ति वही है, जिसे लोकायुक्त पुलिस ने एक आरक्षक द्वारा 25 हजार रुपये रिश्वत लेने के मामले में आरोपित बनाया था। लोकायुक्त पुलिस उसकी तलाश में जुटी थी। मौत से पहले युवक ने सफारी पहने एक व्यक्ति पर जलाने के आरोप लगाए थे, वहीं पुलिस का कहना है कि मृतक ने खुद को आग लगाई थी। गत दिवस गांधीनगर के लोगों ने पुलिस कंट्रोल रूम का घेराव कर दोषी लोगों पर कार्रवाई की मांग की। लोकायुक्त ने गत दिवस 25 हजार रुपये रिश्वत लेने के मामले में चिमनगंज थाने के आरक्षक रवि कुशवाह को गिरफ्तार किया था। पुलिस को कुशवाह के पास रिश्वत की राशि मिली थी। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आसिफ नामक एक व्यक्ति को भी आरोपित बनाया था। लोगों ने स्वजन ने पुलिस कंट्रोल रूम का घेराव कर दिया।

तेज रफ्तार बस डिवाइडर पर चढ़ी, 3 की मौत, 3 घायल

कमलापुर / सीतापुर (आरएनएस)। कस्बा कमलापुर में एक बड़ा सडक़ हादसा हुआ है। एक तेज रफ्तार रोडवेज की बस जो सीतापुर से लखनऊ की ओर जा रही थी। नेशनल हाईवे पर कमलापुर में बड़े चैराहे पर बस अचानक अनियंत्रित होकर डिवाइडर पार करती हुई सर्विस लेन में जा घुसी। जिससे सर्विस लेन पर ठेला लगाए एवं अन्य राहगीर कई लोग घायल हो गये। स्थानीय लोगों के अनुसार दुर्घटना में 6 लोग गंभीर रूप से घायल हुए थे। जिनको स्थानीय पुलिस द्वारा आनन फानन सीएचसी कसमंडा पहुंचाया गया। जहां पर चिकिसकों ने 3 लोगों को मृत घोषित कर दिया है और तीन घायलों में दो लोगों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया है तथा एक घायल की चिकित्सा करके घर भेज दिया है।

कुड़मी समाज ने स्थगित किया रेल रोको आंदोलन, रेलवे को 1700 करोड़ का नुकसान

रांची (आरएनएस)। बंगाल, झारखंड और उड़ीसा के कुड़मी समुदाय ने पांच दिनों से चला आ रहा रेल रोको आंदोलन बीती देर शाम स्थगित कर दिया है। सोमवार से दक्षिण-पूर्व रेलवे में ट्रेन सेवाएं धीरे-धीरे सामान्य होने लगी हैं। पांच दिनों के आंदोलन के कारण फंसी सैकड़ों मेल-एक्सप्रेस ट्रेनों का परिचालन सोमवार को क्रमवार शुरू किया जा रहा है। रेलवे के आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, पांच दिनों तक चले इस आंदोलन की वजह से रेलवे को 1700 करोड़ रुपए से अधिक का नुकसान उठाना पड़ा है। कुल 435 ट्रेनों को रद्द करना पड़ा और कम से कम सवा चार लाख यात्रियों को अपना सफर स्थगित करना पड़ा। रेलवे ट्रैक क्लीयर नहीं हो पाने की वजह से दो दर्जन से ज्यादा ट्रेनें सोमवार को भी रद्द की गयीं।

बता दें कि कुड़मी जाति को आदिवासी (शेड्यूल्ड ट्राइब) का दर्जा देने की मांग को लेकर बीते 5 अप्रैल से रेल और हाइवे रोको आंदोलन चल रहा था। इस आंदोलन की वजह से पिछले पांच दिनों में छह रेल डिविजनों हावड़ा, आद्रा, खडग़पुर, धनबाद, रांची और चक्रधरपुर के विभिन्न स्टेशनों से होकर गुजरने वाली ट्रेनें बुरी तरह प्रभावित हुईं। महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, बिहार, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़ के विभिन्न स्टेशनों तक जानेवाली ट्रेनें या तो रोकी गईं या फिर उन्हें बदले रूट से भेजा गया।

रविवार देर शाम आदिवासी कुड़मी समुदाय के प्रमुख नेता अजीत प्रसाद महतो ने घोषणा की कि बंगाल राज्य प्रशासन से कई दौर की बातचीत हुई है। मांगों पर गतिरोध दूर नहीं हुआ है, लेकिन प्रशासन के आश्वासन पर फिलहाल आंदोलन स्थगित किया जा रहा है। रांची-कोलकाता हाईवे पर लगा जाम भी खत्म हो गया है।

आकाशीय बिजली का कहर, 13 लोगों की मौत; एक की डूबने से गई जान

मुंबई (आरएनएस)। महाराष्ट्र के विभिन्न हिस्सों में पिछले 48 घंटों में बेमौसम बारिश, ओलावृष्टि व बिजली गिरने की घटनाओं में कम से कम 13 लोगों की मौत हो गई। एक शख्स की मौत डुबने से हुई। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। अकोला के पारसगांव गांव में बीती देर रात सात लोगों की मौत हो गई। वहां बाबूजी महाराज संस्थान आश्रम में बिजली गिरने से एक टिन शेड पर 150 साल पुराना नीम का पेड़ गिर गया।

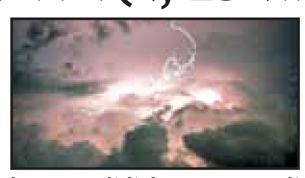

हादसे में प्रार्थना समारोहों में भाग लेने वाले कम से कम चार दर्जन भक्त नीचे फंस गए थे, लेकिन अधिकांश को बचा लिया गया था। हादसे में चार की मौके पर ही मौत हो गई और तीन की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। अन्य 10 को पास के अस्पतालों में ले जाया गया, इनमें से दो को गंभीर बताया गया।

इसके अलावा बिजली गिरने से औरंगाबाद, बीड, हिंगोली, नंदुरबार, परभणी और पुणे में एक-एक मौत हुई है। इनमें मुख्य रूप से खेतों में काम कर रहे किसान शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि इस बीच, रविवार को नासिक में मूसलाधार बारिश के कारण आई बाढ़ में एक व्यक्ति डूब गया। इसके अतिरिक्त, पिछले कुछ हफ्तों से राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में खराब मौसम के कहर के कारण बिजली गिरने से सैकड़ों जानवर भी मारे गए। कई जिलों में ओलावृष्टि के कारण बड़े पैमाने पर कृषि क्षति हुई है, खड़ी फसलों, विशेष रूप से आम और अन्य फलों और सब्जियों की तबाही हुई है।

मंदिर में टिन के शेड पर पेड़ गिरने से सात लोगों की मौत

अकोला (आरएनएस)। महाराष्ट्र के अकोला जिले में तेज हवा और बारिश के कारण एक मंदिर परिसर में टिन के शेड पर पेड़ गिरने उसके नीचे खड़े सात लोगों की मौत हो गई और 23 अन्य घायल हो गए। स्थानीय प्रशासन ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि घटना रविवार शाम करीब साढ़े सात बजे बालापुर तालुका के अंतर्गत पारस गांव में स्थित बाबूजी महाराज मंदिर में हुई, जब लोग वहां 'महा आरती' के लिए एकत्रित हुए थे। जिला प्रशासन ने बताया कि तेज हवा और बारिश के कारण 100 साल पुराना पेड़ टिन के शेड पर गिर गया। घटना के वक्त शेड के नीचे 40 लोग मौजूद थे। अधिकारियों ने बताया कि घटना में सात लोगों की मौत हो गई और 23 अन्य घायल हो गए। घायलों में से पांच की हालत गंभीर है। एक अधिकारी ने बताया कि घटना की सूचना मिलने पर पुलिस और जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे और बचाव अभियान शुरू किया। जिला प्रशासन ने बताया कि घायलों को अकोला सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

सुप्रीम कोर्ट ने अग्निपथ को चुनौती देने वाली याचिका को किया खारिज

नई दिल्ली(आरएनएस)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को अग्निपथ योजना के खिलाफ दायर याचिका खारिज कर दी। योजना के तहत चार साल की अवधि के लिए तीनों सशस्त्र बल डिवीजनों में युवाओं को शामिल करने की बात कही गई है। शीर्ष अदालत ने कहा कि यह योजना मनमानी नहीं है। अधिवक्ता एम.एल. शर्मा ने भारत के मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष कहा कि इसे संसद द्वारा पारित किया जाना चाहिए और इसे एक योजना के रूप में नहीं लाया जाना चाहिए था। शर्मा ने कहा, मेरा सवाल बस इतना है कि जब तक संसद इसे मंजूरी नहीं देती, ऐसा नहीं किया जा सकता।

शर्मा की दलीलें सुनने के बाद, खंडपीठ में न्यायमूर्ति पी.एस. नरसिम्हा और जेबी पारदीवाला ने याचिका खारिज कर दी। फरवरी में, दिल्ली हाईकोर्ट ने केंद्र की अग्निपथ योजना को चुनौती देने वाली याचिकाओं को यह कहते हुए खारिज कर दिया था कि इसे राष्ट्रीय हित में पेश किया गया है। शीर्ष अदालत ने सोमवार को भारतीय सेना और वायु सेना के लिए शुरू की गई उन भर्ती प्रक्रियाओं को पूरा करने के निर्देश देने की मांग वाली एक अन्य याचिका पर भी सुनवाई की, जिन्हें पिछले साल जून में 'अग्निपथ' योजना की घोषणा के बाद बंद कर दिया गया था।

एक वकील ने कहा कि वह अग्निपथ योजना को चुनौती नहीं दे रहे हैं और यह मामला सेना और वायु सेना के लिए पूर्व में अधिसूचित भर्ती प्रक्रियाओं को पूरा करने तक ही सीमित है। उन्होंने आगे कहा कि कोविड का हवाला देते हुए कई बार परीक्षाएं स्थगित की गईं और अचानक जून में अग्निपथ योजना की घोषणा की गई और वायु सेना के लिए परीक्षाएं हुईं, लेकिन परिणाम जारी नहीं किए गए।

याचिका पर विचार करने से इनकार करते हुए पीठ ने कहा कि उम्मीदवारों के पास भर्ती प्रक्रिया को पूरा करने की मांग करने का कोई निहित अधिकार नहीं है। वकील ने जोर देकर कहा कि इन लोगों की भर्ती होने पर भी अग्निपथ योजना प्रभावित नहीं होगी। केंद्र का प्रतिनिधित्व कर रही अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने कहा कि हाईकोर्ट ने इन मुद्दों पर विस्तार से विचार किया है।

एक अन्य मामले में एक याचिकाकर्ता का प्रतिनिधित्व करने वाले अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने कहा कि यह वायु सेना की नियमित भर्ती के संबंध में है और कहा कि एक लिखित परीक्षा के बाद चिकित्सा परीक्षण और सब कुछ किया गया था, उसके बाद रैंक आदि दिखाते हुए एक प्रोविजनल सूची प्रकाशित की गई थी।

भूषण ने कहा, एक साल से अधिक समय तक, हर तीन महीने में वे कहते रहे कि नियुक्ति पत्र जारी होने जा रहे हैं। इस बीच, उन्होंने उन्हीं पदों के लिए रैली भर्तियां कीं, जिन्हें वे फास्टट्रैक भर्तियां कहते थे। भूषण ने कहा कि पहला है प्रॉमिसरी एस्टोपेल, उन्होंने दो साल की प्रक्रिया के बाद एक लिस्ट प्रकाशित की, लोगों से बार-बार कहा कि नियुक्ति पत्र जारी किए जाएंगे और कोविड के कारण देरी हो रही है और, फिर वे उन्हीं पदों के लिए इन फास्टट्रैक भर्तियों के साथ आगे बढ़ेंगे। पीठ ने कहा कि यह योजना मनमानी नहीं है और वचनबद्ध विबंधन हमेशा व्यापक जनहित के अधीन होता है।

धार्मिक झंडे के अपमान को लेकर जमशेदपुर में फिर भड़की हिंसा, इंटरनेट ठप; 144 लागू

जमशेदपुर (आरएनएस)। झारखंड के जमशेदपुर में माहौल शांत होने का नाम नहीं ले रहा है। बताया जा रहा है कि एक धार्मिक झंडे के कथित अपमान के बाद दो गुटों के बीच शास्त्रीनगर में फिर हिंसक झडक़ हो गई। उपद्रवियों ने जमकर पथराव किया साथ ही कई दुकानों और एक ऑटो-रिक्शा में आग लगा दी। हिंसा भडक़ने के बाद इंटरनेट सेवा ठप कर दी गई है। स्थिति नियंत्रण में है लेकिन तनावपूर्ण है। हिंसा प्रभावित इलाकों में भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई है।

पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार के अनुसार, भीड़ को तितर-बितर करने के लिए पुलिस को आंसू गैस के गोले दागने पड़े थे। उन्होंने बताया कि स्थिति अब नियंत्रण में है। जो लोग जमा हुए थे उन्हें घर भेज दिया है। साथ ही पूरे इलाके में जवानों को तैनात कर दिया गया है। वहीं अर्धसैनिक बलों ने आज सुबह इलाके में फ्लैग मार्च किया। पूर्वी सिंहभूम जिले की उपायुक्त विजया जाधव ने कहा कि कुछ असामाजिक तत्व शांति भंग करने की कोशिश कर रहे हैं। उनकी साजिश को विफल करने के लिए आम नागरिकों से सहयोग का अनुरोध किया। पुलिस ने बताया कि इलाके में शनिवार रात तब से ही तनाव व्याप्त है जब एक स्थानीय संगठन के सदस्यों ने रामनवमी के झंडे को अपवित्र पाया।

फ्रांस में हिमस्खलन : स्कीइंग कर रहे 4 लोगों की मौत

नई दिल्ली। फ्रांस में ऐल्प्स पर्वत पर हिमस्खलन में चार लोगों की मौत हो गई है। यह भूस्खलन फ्रेंच ऐल्प्स के दक्षिण-पश्चिम स्थित मोंट ब्लैंक में आया था। फ्रांस के इंटीरियर मिनिस्टर गेराल्ड डर्मानिन ने बताया कि हिमस्खलन अर्मांसेट ग्लेशियर में दिन में आया था। हिमस्खलन में 4 लोगों की मौत हो गई, जबकि कुछ लोग घायल हुए हैं। बता दें कि इस हिमस्खलन का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमे देखा जा सकता है कि किस तरह से तेजी से बर्फ से ढकी पर्वत की चोटी से तेजी से हिमस्खलन हो रहा है।

जिस समय यह हादसा हुआ, उस वक्त पर्वत पर कुछ लोग स्कीइंग कर रहे थे। इसी दौरान हिमस्खलन की चपेट में आने से 4 लोगों की मौत हो गई, जबकि कुछ लोग इसमे घायल हुए हैं। मृतकों की अभी तक पहचान नहीं हो सकी है। बता दें कि अर्मांसेट ग्लेशियर हॉट सेवी रीजन में 3500 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है, जोकि केमोनिक्स से तकरीबन 30 किलोमटीर दूर है, जोकि मोंट ब्लैन का एक छोटा सा शहर है।

स्थानीय प्रशासन ने बताया कि यह यह हिमस्खलन काफी बड़ा था। यह हिमस्खलन का आकार तकरीबन 1000 मीटर लंबा और 100 मीटर चौड़ा था। हिमस्खलन के बाद सर्च ऑपरेशन चलाया गया, इसके लिए दो हेलीकॉप्टर को मौके पर भेजा गया। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों ने कहा कि राहत और बचाव की टीम इस हिमस्खलन में फंसे लोगों की तलाश के लिए सर्च ऑपरेशन चला रही है।

दिल्ली में साल का सबसे ज्यादा गर्म दिन, उत्तर प्रदेश, हरियाणा समेत उत्तर भारत के 10 राज्यों में भी दिखेगा प्रचंड रूप

नई दिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा समेत उत्तर भारत के करीब 10 राज्यों में अब तक गर्मी से राहत मिली हुई थी, जो अब खत्म होती दिख रही है। रविवार को दिल्ली में अधिकतम तापमान 34.8 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया। दिल्ली में इस साल का यह अधिकतम तापमान था। यही नहीं आने वाले दिनों में गर्मी प्रचंड रूप धारण कर सकती है। मार्च के आखिरी सप्ताह और अप्रैल के शुरुआती दिनों में बारिश के चलते तापमान थोड़ा कम था, जो अब धीरे-धीरे बढऩे लगा है। इससे पहले 2 अप्रैल तक तापमान 30 डिग्री सेल्सियस तक ही बना हुआ था।

इसके बाद 3 तारीख को अधिकतम तापमान 32 के पार गया था और 7 अप्रैल से ही 34 डिग्री सेल्सियस के आसपास ही बना हुआ है। इसके बाद भी राहत की बात यह है कि रात के वक्त तापमान कम बना हुआ है। सोमवार सुबह न्यूनतम तापमान 15.7 डिग्री सेल्सियस तापमान था। इसके अलावा रविवार को यह 15.4 डिग्री सेल्सियस था। इस बीच मौसम विभाग का अनुमान थोड़ी चिंता बढ़ाने वाला है। मौसम विभाग का कहना है कि 15 अप्रैल तक तापमान बढक़र 38 डिग्री सेल्सियस तक जा सकता है। साफ है कि इसी सप्ताह के अंत तक गर्मी बढ़ सकती है और अब तक जो राहत मिली थी, वह खत्म हो सकती है।

मौसम विभाग का कहना है कि आज अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस तक रह सकता है। बुधवार को यह 37 तक पहुंच सकता है और संभावना है कि शनिवार तक तापमान 38 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाएगा। हालांकि थोड़ी राहत की बात यह है कि तीखी धूप ज्यादातर दिनों में नहीं रहेगी और बादल छाए रहेंगे। हालांकि न्यूनतम और अधिकतम तापमान में आधे के करीब का अंतर रह सकता है। मौसम विभाग का कहना है कि 15 अप्रैल तक न्यूनतम तापमान 18 डिग्री सेल्सियस तक हो जाएगा, जबकि अधिकतम 38 तक रहेगा। बता दें कि मार्च और अप्रैल के महीने में अब तक लोगों को गर्मी से कमोबेश राहत ही रही है। बीच-बीच में बारिश होने और बादल छाए रहने से मार्च में तापमान 30 डिग्री सेल्सियस के पार नहीं गया था। इसके अलावा अप्रैल के शुरुआती दिनों में भी बारिश जारी रहने से राहत रही है, जो अब खत्म होती दिख रही है।